


---

praNAmapraNayastavam

——  
प्रणमप्रणयस्तवम्

——  
Document Information



---

Text title : praNAmapraNayastavam

File name : praNAmapraNayastavam.itx

Category : deities\_misc, stava

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : PSA Easwaran

Proofread by : PSA Easwaran

Description-comments : Devi book stall, Kodumgallur, Kerala

Source : Sthothra Rathnaakaram, edited by N. Bappuravu, 2010

Latest update : August 6, 2016

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

March 3, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



प्राणामप्राणयस्तवम्



कन्दर्पकोटिरभ्याय स्फुरद्दिन्दीवरत्विषे ।  
जगन्मोहनलीलाय नमो गोपेन्द्रसूनवे ॥ १ ॥

कृष्णालाकृतडाराय कृष्णालावण्यशालिने ।  
कृष्णालकूलकरीन्द्राय कृष्णाय करवै नमः ॥ २ ॥

सर्वानन्दकदम्भाय कदम्बकुसुमस्रजे ।  
नमः प्रेमावलम्भाय प्रलम्भारिकनीयसे ॥ ३ ॥

कुण्डलस्फुरदंसाय वंशायत्तमुष्मिने ।  
राधामानसदंसाय प्रजोत्तंसाय ते नमः ॥ ४ ॥

नमः शिभाण्डयूडाय दण्डमण्डितपाण्डये ।  
कुण्डलीकृतपुष्पाय पुण्डरीकेक्षणाय ते ॥ ५ ॥

राधिकाप्रेममाध्वीकमाधुरीमुदितान्तरम् ।  
कन्दर्पवृन्दसौन्दर्यं गोविन्दमभिवाद्ये ॥ ६ ॥

शङ्खगाररसशङ्खगारं कर्णिकारात्कर्णिकम् ।  
वन्दे श्रिया नवाभ्राणं बिभ्राणं विभ्रमं हरिम् ॥ ७ ॥

साध्वीप्रतमशिप्रातपश्यतोद्धरवेशवे ।  
कल्डारकृतयूडाय शङ्खयूडभिदे नमः ॥ ८ ॥

राधिकाधरबन्धूकमकरन्दमधुप्रजम् ।  
दैत्यसिन्धुरपारीन्द्रं वन्दे गोपेन्द्रनन्दनम् ॥ ९ ॥


गर्जेन्द्रायुधरभ्याय जगज्जवनदाधिने ।  
राधाविद्युद्गताङ्गाय कृष्णाम्भोदाय तै नमः ॥ १० ॥

प्रेमान्धवल्लवीवृन्दलोचनेन्दीवरन्दवे ।  
काश्मीरतिलकाढ्याय नमः पीताम्बराय ते ॥ ११ ॥


गीर्वाणेशमद्योद्गमदावनिर्वाणनीरदम् ।  
कुन्दुकीकृतशैलेन्द्रं वन्दे गोकुलबान्धवम् ॥ १२ ॥  
दैन्याण्वि निमग्नोऽस्मि मन्तुग्रावमदार्दितः ।  
दुष्टे कारुण्यपारीण मयि कृष्ण कृपां कुरु ॥ १३ ॥  
आधारोऽप्यपराधानामविवेकततोऽप्यहम् ।  
त्वत्कारुण्यप्रतीक्षोऽस्मि प्रसीद मयि माधव ॥ १४ ॥  
इति प्रमाणप्रणयस्तवं समाप्तम् ॥

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
*praNAmapraNayastavam*

pdf was typeset on March 3, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

